



संदेश

हिन्दी दिवस की पावन बेला पर सम्पूर्ण शिक्षा जगत को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ !

हिन्दी भाषा के संदर्भ में हमारे संविधान-निर्माताओं का स्पष्ट अभिमत था कि देश की एकता और अखण्डता के लिए राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी का प्रयोग नितांत आवश्यक है। अपनी व्यापकता एवं उदारता के कारण ही हिन्दी हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की पूरक भी है।

हिन्दी की समृद्धि एवं प्रचार-प्रसार में शिक्षा मंत्रालय की अहम भूमिका है। इसलिए शिक्षा मंत्रालय ने हिन्दी तथा सभी भारतीय भाषाओं की अस्मिता और उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हिन्दी सहित भारतीय भाषाओं में प्रारम्भिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक ग्रहण करने का प्रावधान किया है। विभिन्न भाषाओं एवं सांस्कृतिक परम्पराओं से समृद्ध भारत जैसे देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा का प्रचार-प्रसार मातृभाषा के माध्यम से ही संभव है। भारत की सभी क्षेत्रीय भाषाएँ अपने इतिहास, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान और सांस्कृतिक परम्पराओं की दृष्टि से बहुत समृद्ध हैं, फिर भी पूरे देश की सम्पर्क भाषा बनकर हिन्दी सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रही है। इसी भावना के साथ शिक्षा मंत्रालय देश की सभी क्षेत्रीय भाषाओं सहित हिन्दी भाषा को उन्नत और समृद्ध बनाने के लिए संकल्पित है।

सरकारी कामकाज में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन प्रत्येक सरकारी अधिकारी और कर्मचारी का संवैधानिक दायित्व है। राजभाषा के प्रयोग सम्बंधी सभी आदेशों / अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ ही युगानुकूल विकसित विभिन्न ई-टूल्स का व्यापक उपयोग भी हिन्दी की समृद्धि के लिए नितांत आवश्यक है। गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से 'हिन्दी वृहत् शब्दकोश' का निर्माण इसी दिशा में एक सार्थक पहल है। पूर्णतया डिजिटल इस शब्दकोश के माध्यम से भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए एक ऐसा समृद्ध कोश तैयार किया गया है जिसमें तकनीकी, बैंकिंग, विधि सहित सभी ज्ञानानुशासनों के प्रचलित शब्दों को शामिल किया गया है। इस शब्दकोश की सहायता से सभी क्षेत्रों में लोगों को निश्चित ही हिन्दी में कार्य करने में सरलता तथा आसानी होगी।

आइये, हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम न केवल अपने सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे वरन् हिन्दी को विश्व पटल पर एक ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध भाषा के रूप में स्थापित करेंगे।

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ !

(धर्मेन्द्र प्रधान)

